सफलता की कहानी

नाम – असिम कुमार सोरेन
पिता का नाम – राजेन्द्र नाथ सोरेन
गाँव – चुनीडीह
पंचायत – पखुरिया
प्रखण्ड – बोड़ाम
जिला – पूर्वी सिंहभूम

एक सफल कृषक के रूप में असीम कुमार सोरेन जो कि एक छोटी सी गाँव में रहते है उन्होने वर्त्तमान में सूकर पालन का अपना व्यवसाय के रूप में अपनाया है। इन्होंने सबसे पहले पढ़ते हुए बी0 सी0 ए0 तक की पढ़ाई 2006–2011 तक में खत्म किया इसके बाद किसान मित्र के रूप में कुछ दिनों तक काम करने के बाद कृ ा कार्यों को ही अपना व्यवसाय के रूप में चुना। इनके पिताजी एक स्कुल मास्टर है जिनके तीन लड़का–लड़की में से असीम कुमार सोरेन बड़ा बेटा तथा छोटा बेटा पुर्णचन्द्र सोरेन धनबाद में पॉलिटेकनिक कर रहा है। असीम कुमार सोरेन ने कृभाक मित्र के रूप में रहते हुए कृषि विज्ञान केन्द्र में प्रशिक्षण प्राप्त किया जहाँ बिरसा कृषि विश्वविद्यालय पशुपालन विशेषज्ञ डॉ0 आर0 एन0 मिश्रा से प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद उन्होने सूकर पालन का अपनाया। शुरू में उन्होने (8) आठ मादा एवं 2 नर 2000 रू0 के दर पर खरीदा । सुकर खरीदने से पहले उन्होने सुकर फार्म को 2010 में ही बना लिया था। 2011 में दो नर एवं 8 आठ मादा खरीदकर व्यवसाय को प्रारंभ किया । शुरू में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा था पशुपालन के क्षेत्र में अनुभव की कमी के कारण सुकर के देखभाल में परेशानियों होने लगी थी कि इनको मुख्य रूप में खाना के रूप में क्या–क्या दिया जाय ताकि उनका विकास जल्दी से जल्दी हो सके इसके लिए उन्होने सबसे पहले अपने आस–पास के जितने भी होटल थे वहाँ पर एक–एक टीना का डब्बा दे दिया जिसमे होटल का बचा हुआ खाना उसे प्राप्त होता था जो सुकर को खाना के रूप में प्राप्त होता था।

इसके बाद उन्होने जहाँ पर अपना सुकर फार्म बनाया है वहाँ पर अपना रैयती जमीन होने के कारण वही पर पत्तागोभी मूली आदि सब्जियों का खेती करने लगा । अपने फार्म के सामने ही एक छोटा सा झोपड़ी बनाकर एक आदमी को दैनिक मजदूरी पर रखा जो प्रतिदिन 27 सुकर का खाना बनाने का काम करता है और प्रतिदिन सुकर को एक समय के लिए फार्म से बाहर निकाल कर उनके रहने के स्थान को पानी से धोने का काम करता है। असीम कुमार सोरेन के पास वर्त्तमान में 27 सुकर है जिसमें से 2 (दो) नर, 9 (नौ) मादा एवं 16 (सोलह) बच्चे है। इन बच्चों की उम्र अभी 2 महीने हो रही है। 6 महीने में लगभग 15 से 20 किलो हो जाते है जिन्हें लोकल बाजार में 100 रू0 किलो की दर से बेचा करता है तथा बच्चे के दाम में अन्तर होता है। जैसे 10 किग्रा तक के बच्चा का मुल्य 2000 रू0 तथा इससे उपर प्रत्येक एक किलो के लिए 100 रू0 बढ़ाकर बेचा करता है।

सुकर पालन की व्यवसाय से असीम सोरेन को लगभग महीने मे 15 से 20 हजार का लाभ प्राप्त होता है। सुकर पालन का व्यवसाय ुरू किए हुए 2 व ा 7 महीन लगभ ढ़ाई साल होने के बाद अपने फार्म का विस्तार करना प्रारंभ कर दिया तथा पहले जमीन मिट्टी का या उसे सीमेन्ट से पक्का कर दिया ताकि पानी से जमीन का अच्छी तरह साफ किया जा सके।

वर्त्तमान में असीम कुमार सोरेन के परिवार में इस व्यवसाय को लेकर काफी उत्साह है क्योंकि हाल ही में कोल्हान प्रमण्डल स्तरीय किसान मेला सह विकास मेला 2014 में आत्मा पूर्वी सिंहभूम की और से 10,000/– रू0 का पुरस्कार प्रदान किया गया जिसे वह काफी खुश है और अपने आस–पास के लोगों को भी इस व्यवसाय को करने के लिए वह प्रोत्साहित करने लगा है। और इस कार्य को करने के लिए उनका पुरा परिवार सहयोग कर रहे है।